खण्ड-07 सत्र-03 (भाग-03) अंक-28

सोमवार 29 अगस्त, 2022 07 भाद्रपद, 1944 (शक)

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्यमेव जयते

सातवीं विधान सभा

तीसरा सत्र

अधिकृत विवरण

(खण्ड-07 सत्र-03 (भाग-03) में अंक 27 से अंक 31 तक सम्मिलित हैं)

दिल्ली विधान सभा सचिवालय

पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054

सम्पादक वर्ग

EDITORIAL BOARD

राज कुमार

सचिव

RAJ KUMAR

Secretary

महेन्द्र गुप्ता

उप-सचिव (सम्पादन)

MAHENDRA GUPTA

Deputy Secretary (Editing)

विषय सूची

सत्र-3 (भाग-3) सोमवार, 29 अगस्त, 2022/07 भाद्रपद, 1944(शक) अंक-28

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची	1-2
2.	सदन में अव्यवस्था	4-8
3.	विश्वास प्रस्ताव एवं उस पर चर्चा	9-26
4.	सदन में अव्यवस्था	27-34

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-3 (भाग-3) सोमवार, 29 अगस्त, 2022/07 भाद्रपद, 1944(शक) अंक-28

दिल्ली विधान सभा

सदन पूर्वाह्न 11.15 बजे समवेत हुआ।

निम्नलिखित सदस्य सदन में उपस्थित हुए:

1	श्री अजेश यादव	10	श्री धर्मपाल लाकड़ा
2	श्रीमती ए धनवती चंदीला ए	11	श्री दिनेश मोहनिया
3	श्री अजय दत्त	12	श्री गिरीश सोनी
4	श्रीमती आतिशी	13	श्री गुलाब सिंह
5	श्री अमानतुल्ला खान	14	श्री हाजी युनूस
6	श्री अब्दुल रहमान	15	श्री जय भगवान
7	श्रीमती बंदना कुमारी	16	श्री जरनैल सिंह
8	सुश्री भावना गौड़	17	श्री करतार सिंह तंवर
9	श्री बी.एस. जून	18	श्री कुलदीप कुमार

19 श्री मुकेश अहलावत
20 श्री महेन्द्र यादव
21 श्री मदन लाल
22 श्रीमती प्रीति जितेंद्र तोमर
23 श्री प्रलाद सिंह साहनी
24 श्री प्रवीण कुमार
25 श्रीमती प्रमिला धीरज टोकस
26 श्री ऋतुराज गोविंद
27 श्री रघुविंदर शौकीन
28 श्री राजेश गुप्ता
29 श्री राजकुमार आनंद
30 श्रीमती राजकुमारी ढिल्लों
31 श्री राजेश ऋषि
32 श्री रोहित कुमार
33 श्री शरद कुमार चौहान
34 श्री संजीव झा
35 श्री सोम दत्त
36 श्री शिव चरण गोयल
37 श्री सोमनाथ भारती
38 श्री सौरभ भारद्वाज
39 श्री सही राम
40 श्री एस.के. बग्गा
41 श्री सुरेंद्र कुमार
42 श्री विनय मिश्रा
43 श्री वीरेंद्र सिंह कादियान
44 श्री अभय वर्मा
45 श्री अनिल कुमार बाजपेयी
46 श्री अजय कुमार महावर
47 श्री जितेंद्र महाजन
48 श्री महेंद्र गोयल
49 श्री मोहन सिंह बिष्ट
50 श्री नरेश यादव
51 श्री ओमप्रकाश शर्मा
52 श्री शोएब इकबाल
53 श्री विजेंद्र गुप्ता
54 श्री विशेष रवि

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-3 (भाग-3) सोमवार, 29 अगस्त, 2022/07 भाद्रपद, 1944(शक) अंक-28

दिल्ली विधान सभा

सदन पूर्वाह्न 11.15 बजे समवेत हुआ।

माननीया अध्यक्ष महोदय (श्रीमती राखी बिरला) पीठासीन हुई।

श्री विजेंद्र गुप्ताः अध्यक्षा जी ये सीवीसी की रिपोर्ट मैं टेबल पर रख रहा हूं।

माननीया अध्यक्षः आप बैठिये, आते ही ये तरीका नहीं है विजेंद्र गुप्ता जी दो मिनट बैठ जाईये। सबको अपनी बात कहनी होती है, विजेंद्र गुप्ता जी सबको अपनी बात कहनी होती है सदन इसीलिये बुलाया जाता है कि हर सदस्य अपनी बात रखे लेकिन आते ही, दो मिनट बैठिये।

श्री विजेंद्र गुप्ताः अध्यक्षा जी।

माननीया अध्यक्षः आप दो मिनट बैठ जाईये। राजेश गुप्ता जी सेवा विभाग से उत्तर प्राप्त ना होने की समिति का प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे।

श्री विजेंद्र गुप्ताः अध्यक्ष जी, मैं चाहता हूं आप ध्यानाकर्षण फैसला करिए।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः बैठ जाइये, बैठ जाईये, अच्छा मैं रूलिंग दे रही हूं बैठिये।

श्री विजेंद्र गुप्ताः भ्रष्टाचार हुआ ढाई साल तक रिपोर्ट को क्यों दबा कर रखा।

माननीया अध्यक्षः मैं रूलिंग दे रही हूं आप दो मिनट बैठेंगे।

श्री विजेंद्र गुप्ताः हां जी।

माननीया अध्यक्षः रूलिंग दे रही हूं बैठिये तो।

श्री विजेंद्र गुप्ताः मैं अध्यक्षा जी।

माननीया अध्यक्षः नहीं मतलब आप ये ज़िद पर अड़े हैं कि आप बैठेंगे नहीं अगर मैं आपके धयान।

श्री विजेंद्र गुप्ताः बैठेंगे क्यों नहीं, बैठेंगे आप कहेंगी तो।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः अगर ध्यानाकर्षण पर मैं रूलिंग देने के लिए कह रही हूं तो आपको बैठना तो पड़ेगा, आपको सुनना तो पड़ेगा। मैंने आप ही के विषय पर क्या बोला कि रूलिंग दे रही हूं।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः मैंने क्या बोला, बिधुड़ी जी, मुझे आप थोड़े समझदार लगते हैं मेरे शब्द क्या थे, मेरे शब्द ये कि आपने जो विषय बोला मैं इस पर रूलिंग दे रही हूं। मेरे खड़े होने के बावजूद आप सब लोग खड़े हैं क्या ये ठीक आचरण है? क्या ये सदन का आचरण ठीक है कि अगर अध्यक्ष जी अपनी चेयर पर खड़े हैं आप बैठेंगे नहीं, तो मैं खड़ी रहूं। अब ये तय आपको करना है कि अगर आपको अपना विचार रखना है तो शांतिपूर्वक बातों को सुनना होगा।

श्री ओमप्रकाश शर्माः अरे हमारी भी तो सुन लो अध्यक्षा महोदया।

माननीया अध्यक्षः आप ही की सुनेंगे पहले आप ये बंद कीजिये जो आपने खोलकर अपनी चेयर के सामने लगाया है, शर्मा जी मेरा आपने विशेष निवेदन है इसे बंद कर दीजिये।

श्री ओमप्रकाश शर्माः आप चर्चा करेंगी ना?

माननीया अध्यक्षः मैं पहले रूलिंग दे दूं। विजेंद्र गुप्ता जी का ध्यानाकर्षण प्रस्ताव मेरे पास आया है मुझे उस पर रूलिंग दे लेने दीजिये, उससे पहले आप इसे बंद करिये।

श्री अजय दत्तः कितनी अच्छी बात है गुप्ता जी समझलिया किजीए आप।

माननीया अध्यक्षः अब इसे बंद करिये। माननीय सदस्यगण मुझे श्री विजेन्द्र गुप्ता जी माननीय सदस्य से नियम 54 के अन्तर्गत ध्यानाकर्षण की सूचना प्राप्त हुई है।

श्री विजेंद्र गुप्ताः विषय तो पढ़िये।

माननीया अध्यक्षः आज सदन में माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा विश्वास।

श्री विजेंद्र गुप्ताः विषय तो पढिये जराजनाब।

माननीया अध्यक्षः आप मुझे सिखायेंगे मुझे सदन कैसे चलाना है, आप सिखायेंगे, अब आप सिखायेंगे।

श्री विजेंद्र गुप्ताः विषय तो पढ़ना पढ़ेगा।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी (माननीय नेता, प्रतिपक्ष): ऑनरेबल।

माननीया अध्यक्षः आप सिखायेंगे, अब बिधुड़ी जी दो मिनट बैठिये। नहीं आप अपने आप इनको कुछ सिखाकर नहीं लाते, कुछ बताते नहीं। आप इस सदन के सबसे सीनियर सदस्य हैं लेकिन अगर मैं रूलिंग दे रही हूं उसी के बाद विषय पढ़ा जायेगा, उसी के बाद विषय पढ़ा जायेगा ना।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः यदि मैं ऑनरेबलडिप्टी स्पीकर से कुछ आग्रह करना चाहता हूं और आप मुझे बोलने की अनुमति नहीं दे रहीं।

माननीया अध्यक्षः आप पहले मेरा आग्रह तो स्वीकार करें, आप पहले चेयर का आग्रह स्वीकार करेंगे, आप बोलने नहीं दे रहे, जब मैं।

...व्यवधान...

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः विषय के बारे में बोलिए ना, आखिर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव है क्या...

माननीया अध्यक्षः तो मैं कम्प्लीट कर तो लूं, पढ़ने तो दीजिये।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः ठीक है जी।

माननीया अध्यक्षः अब चेयर सदन को कैसे चलायेगी, चेयर को कैसे कार्य करना है अगर ये

...व्यवधान...

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः आग्रह करने का अधिकार है हमें...

माननीया अध्यक्षः तो आपके आग्रह को ही स्वीकार करते हुये रूलिंग दी जा रही है।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आपके आग्रह।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः हम ऑनरेबल चेयर से हम प्रार्थना करेंगे कि इन सूचनाओं पर चर्चा हो।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आपकी प्रार्थना को स्वीकार करना या अस्वीकार करना।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः ये आपकी इच्छा पर निर्भर है।

माननीया अध्यक्षः आपके आग्रह को स्वीकार करना ना करने पर ही मैं कुछ बात बोल रही हूं। थोड़े अच्छे श्रोता भी बनिये, वक्ता तो आप लोग बहुत अच्छे हैं, अच्छे श्रोता बनने का भी थोड़ा दम भरिये। माननीय सदस्यगण मुझे श्री विजेंद्र गुप्ता और श्री अजय महावर जी माननीय सदस्यों से नियम-54 के

अन्तर्गत ध्यानाकर्षण तथा श्री मोहन सिंह बिष्ट जी और श्री अभय वर्मा जी से नियम 55 के अर्न्तगत अल्पकालिक चर्चा की सूचनायें प्राप्त हुई हैं। आज सदन में माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा विश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत किया जायेगा और इस प्रस्ताव पर चर्चा भी की जायेगी। माननीय सदस्य चर्चा के दौरान अपनी बात रख सकते हैं इसलिये मैं इन सूचनाओं को स्वीकार नहीं कर पा रही हूं धन्यवाद।

...व्यवधान...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप नहीं मानेंगे। आप लोग सदन नहीं चलने देंगे, कोई बात नहीं। ये वैल में आने की क्या जरूरत पड़ गई आपको। आपको वैल में आने की जरूरत क्या पड़ गई। मार्शल्स, सभी को पूरे दिन के लिए बाहर, सभी विपक्ष के साथियों को पूरे दिन के लिए बाहर। मार्शल्स सभी विपक्ष के साथियों को पूरे दिन के लिए बाहर करेंगे।

(माननीया अध्यक्ष महोदया के आदेशानुसार विपक्ष के सभी सदस्यों को सदन से बाहर किया गया)

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः रोहित जी, रोहित मेहरोलिया जी बैठिए, अजय दत्त जी बैठिए, संजीव झा जी, जरनैल जी बैठिए, बैठिए सुरेंद्र चौधरी जी, रोहित मेहरोलिया जी बैठिए, सही राम जी, विजेंद्र जी बैठिए, रोहित मेहरोलिया जी, अखिलेश पति त्रिपाठी जी, प्रवीण जी।

सभी विपक्ष के साथियों को आज पूरे दिन के लिए बाहर किया गया है और जैसा मैंने सदन के पहले दिन शुक्रवार को भी कहा था सदन की कार्यवाही अति गंभीर मुद्दों के लिए बुलाई गई है। विपक्ष के साथियों को साथ न देने पर सदन की मर्यादा का उल्लंघन करने के लिए आज पूरे दिन के लिए मैंने बाहर का रास्ता दिखाया है और सत्ता पक्ष के साथियों से भी मेरा निवेदन है कार्यसूचिबद्ध तरीके से और समयबद्ध तरीके से अपने वक्तव्य को रखें नहीं तो फिर मुझे आपके लिए भी इस तरह के कोई कदम उठाने पड़ सकते हैं। अब श्री अरविंद केजरीवाल जी, माननीय मुख्य मंत्री निम्नलिखित प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे। यह सदन मंत्री परिषद में विश्वास व्यक्त करता है, माननीय मुख्य मंत्री जी।

माननीय मुख्य मंत्री (श्री अरविंद केजरीवाल): आदरणीय अध्यक्षा महोदय, ये बड़े दुख की बात है कि आज इतना अहम विषय Confidence Motion के ऊपर इस सदन में चर्चा होनी है और विपक्ष का इतना गैर-जिम्मेदाराना रवैया वो चर्चा करना ही नहीं चाहते, वो डिस्कशन करना ही नहीं चाहते, वो केवल सदन की कार्यवाही को disrupt करना चाहते हैं। वो केवल ड्रामेबाजी करना चाहते हैं जिस तरह से अभी हम लोगों ने पूरे मुझे लगता है टीवी चैनलों पर लाइव चल रहा होगा। लोग देखेंगे की कैसे लोगों को वोट दे दिया हमने ये क्या करते हैं सदन के अंदर बैठकर चर्चा ही नहीं करते ये लोग, बात ही नहीं करते ये लोग नौटंकी करते हैं। ये बड़े दुख की बात है कि इतने गंभीर विषय वाले दिन भी इन लोगों ने इस तरह की गंदी राजनीति और छोटी राजनीति करने की कोशिश की। अध्यक्ष महोदया, आज पूरे देश में लोग महंगाई की वजह से बहुत ज्यादा परेशान हैं, बहुत ज्यादा परेशान हैं। लोगों के घर के खर्चे ही

नहीं चल रहे। कई लोगों को मैं ऐसा जानता हूं जो कि एक टाइम की उन्होंने सब्जी लेनी बंद कर दी नमक से रोटी खा लेते हैं। कई लोगों ने दूध कम कर दिया। पूरे देश के अंदर आज महंगाई की वजह से बहुत ज्यादा लोग परेशान हैं लेकिन जब लोगों से पूछो कुछ लोगों को यह लगता है जब लोगों से पूछो कहते हैं जी अपने आप हो रही है महंगाई, महंगाई अपने आप नहीं हो रही महंगाई इन लोगों ने कर रखी है इतना टैक्स लगा दिया पिछले 5-7 साल में इतना टैक्स लगा दिया हर चीज में इतना टैक्स लगा दिया इन लोगों ने जिसका कोई अंत नहीं है। इन्होंने दही पर टैक्स लगा दिया। 75 साल में आज तक कभी दही, लस्सी, छाछ, शहद, गेहूं, चावल इन चीजों पर इन्होंने टैक्स लगा दिया 75 साल में कभी नहीं लगा था। 75 साल तो छोड़ो अंग्रजों ने भी कभी नहीं लगाया था। खाने पीने की चीजों पर तो अंग्रेजों ने भी टैक्स नही लगाया था। इन लोगों ने टैक्स लगा दिया। इस वजह से चीजें महंगी हो रही है। इतना इन्होंने टैक्स लगा दिया। अगर आज ये लोग टैक्स कम कर दें ये सारा तो एक दम से महंगाई देश के अंदर खत्म हो जाएगी। गुजरात के मेरे दोस्त बता रहे थे और तो छोड़ो इन्होंने जो गरबा जो डांस है, गुजरात की जो संस्कृति है पूरी दुनिया के अंदर गरबा डांस के नाम से गुजरात जाना जाता है, गरबा डांस के ऊपर भी इन्होंने टैक्स लगा दिया। नवरात्रे के टाइम पर लोग जब देवी की पूजा करते वक्त देवी के सामने गरबा डांस करते हैं उस पर भी इन्होंने टैक्स लगा दिया। उसको भी नहीं छोड़ा, देवी को भी नहीं छोड़ इन लोगों ने, गरबा डांस को भी नहीं छोड़ा इन्होंने। तो इतना टैक्स, इतना टैक्स लगा दिया हर चीज पर टैक्स के रेट बढ़ा दिये। नई-नई चीजों पर टैक्स लगाए जा रहे हैं जो लोगों के खाने पीने की चीजें हैं उस टैक्स.. इस वजह से महंगाई हो

रही है। जो जनता को गलतफहमी है कि हमारी महंगाई अपने आप हो रही है, अपने आप नहीं हो रही इन लोगों ने अनाप-शनाप टैक्स लगाया, इस वजह से महंगाई हो रही है। एक प्रश्न ये उठता है कि इतना टैक्स लगा दिया तो लाखों, करोड़ो, अरब-खरब रूपये इनके पास आ रहे हैं। खरबों रूपये, अरबों रूपये ये पैसा जा कहां रहा है। ये सोचने की बात है। इनके कुछ चन्द अरबपति दोस्त हैं। इन अरबपति दोस्तों ने वो अरबपति नहीं खरबपति दोस्त है इनके उन्होंने बैकों से कर्जे लिए। किसी ने सात हजार करोड़ रूपये का कर्जा लिया, किसी ने दस हजार करोड़ रूपया का कर्जा लिया, किसी ने पन्द्रह हजार करोड़ का कर्जा लिया, किसी ने पांच हजार करोड़ का कर्जा लिया। इन्होंने कर्जे लिये बैंको से इनके दोस्तों ने। कर्जे लेने के बाद इनके दोस्तों की नीयत खराब हो गई। उन्होंने सोचा कुछ भी कर कराके अब ये कर्जे रफा दफा कराओ ताकि देने ना पड़े। ऐसा नहीं है कि इनके पास पैसे नहीं है देने को। कर्जा वापिस करने के लिए इनके पास पैसे हैं, इनके पास सम्पति है, अभी भी ये अरबपति, खरबपति हैं ये सारे लेकिन इनकी नीयत खराब हो गई इन्होंने जाकर इनको बोला सारे अरबपति दोस्तों ने इनके कि हमारे बैंकों के कर्जे माफ करा दो और इन्होंने एक-एक करके बैंकों के कर्जे माफ कराने, इनके सबके दोस्तों के बैंको के कर्जे माफ कर दिये इन्होंने। ये मैं नहीं कह रहा। अभी थोड़े दिन पहले जब संसद का सत्र खत्म हुआ संसद के अंदर केन्द्र सरकार ने खुद ये ब्यान दिया है कि पिछले पांच साल में हमने अरबपतियों के दस लाख करोड़ रूपये के कर्जे माफ करें। दस लाख करोड़ रूपये, दस लाख करोड़ रूपये के कर्जे। किसी के सात हजार करोड़ रूपये माफ कर दिये, किसी के दस हजार करोड माफ कर दिये, किसी के पन्द्रह हजार करोड़ माफ कर दिये। किसान दर-दर की

ठोकरें खा रहे है। एक किसान ने बेचारे ने पचास हजार रूपये का कर्जा ले रखा है उसकी जमीन कुर्की कर देते हैं ये। उसका कर्जा माफ नहीं करते। एक बेचारा स्टूडेंट, स्टूडेंट पैसे लेकर कर्जे लेकर अपनी डिग्री करता है उसके कर्जे माफ नहीं करते। उसके पिता जी की जमीन कुर्की कर देते हैं। एक बेचारा किसी ने मिडिल क्लास का आदमी है उसने एक गाडी खरीद ली कर्जा लेकर अगर वो एक इन्सटालमेंट नहीं देता ये गाड़ी जप्त करने आ जाते हैं। अगर एक मिडिल क्लास वाले ने एक घर खरीद लिया लोन लेकर अगर वो एक इन्सटालमेंट नहीं देता उसका घर जप्त कर लेते हैं। उनको नहीं छोड़ते। बेचारे मिडिल क्लास वाले को नहीं छोड़ते, स्टूडेंट को नहीं छोड़ते, किसान को नहीं छोड़ते। इन्होंने अपने दोस्तों के अरबपति, खरबपति दोस्तों के दस लाख करोड़ रूपये के कर्ज माफ कर दिये। क्या होता है इनके यहां कोई एक दोस्त आया बोला जी मेरे पांच हजार करोड़ रूपये माफ कर दो। ये मंत्री को बुलाकर हाँ भई दही पर टैक्स लगा दे। फिर दही पर जितना टैक्स आता है उससे एक दोस्त के कर्ज माफ। फिर दूसरा दोस्त आता है मेरे जी दस हजार करोड़ रूपये माफ कर दो। फिर कहते हैं हाँ भई छाछ पर टैक्स लगा दे। फिर छाछ से जितना पैसा आता है उससे दूसरे दोस्त के कर्जे माफ हैं। ये ठीक है क्या? ये तो बिल्कुल गलत है। आज अगर ये लोग, आज अगर ये लोग अपने दोस्तों के कर्जे जितने माफ करें हैं वो रिकवर कर लें इस देश से महंगाई दूर हो सकती है। एक अंग्रेज थे, अंग्रेज हमारे देश से अपने पिक्चरें देखी होगी वो कौन सी वाली थी, लगान और इस तरह कई पिक्चरें आई जिसमें मार-मार के कौड़े मार-मार के लगान ले रहे हैं लोगों से, वो लगान लेते थे। अत्याचार करते थे और वो लगान लेकर टैक्स लेकर हमारे देश पर खर्च नहीं करते थे, वो

सारा पैसा इंग्लैंड ले जाते थे और अब उनके बाद ये अंग्रेज आए हैं। ये भी खूब खून चूस रहे हैं जनता का, खूब टैक्स ले रहे है। हर चीज पर टैक्स ले रहे हैं। वो टैक्स आपके ऊपर खर्च नहीं कर रहे आपके स्कूल नहीं बना रहे हैं। आपके बच्चों के लिए, आपके लिए अस्पताल नहीं बना रहे। आपके लिए बिजली नहीं कर रहे। आपके लिए सड़कें नहीं बना रहे। आप से टैक्स ले लेकर ये सारा पैसा अपने अरबपति दोस्तों की जेब में डाल रहे है। इसलिए महंगाई हो रही है। मैं देश की जनता से पूछना चाहता हूं कि क्या हम ये बर्दास्त करते रहेंगे। पैट्रोल और डीजल क्यूं महंगा हो रहा है, कभी सोचा हमने। रोज पूरी दुनिया में हम देखते हैं। पूरी दुनिया में तेल के दाम गिरते हैं और हमारे देश में दाम बढ़ते हैं। ऐसा कैसे हो सकता है। पूरी दुनिया में कितने ऐसे देश है जहां पर भारत से कहीं ज्यादा सस्ता पेट्रोल, डीजल मिल रहा है, हमारे यहां महंगा क्यों मिल रहा है। पेट्रोल और डीजल पर अनाप-शनाप टैक्स लगा रखा है इन लोगों ने। इतना टैक्स लगा रखा है, ये पैसा कहां जाता है? ये पैसा जाता है ऑपरेशन लोटस पर। ये क्या है ऑपरेशन लोटस? ऑपरेशन लोटस है, अलग अलग राज्यों के अंदर ये लोग एमएलए को डराकर, एमएलए को खरीदकर और उससे ये लोग सरकारें गिराते हैं और अपनी सरकार बनाते हैं। खूब पैसा देते हैं। दिल्ली के अंदर तो हम बर्दाश्त कर चुके हैं। दिल्ली के अंदर तो हम खुद भुक्तभोगी हैं। अभी पिछले दिनों इन्होंने हमारे एलएलए को 20-20 करोड़ रुपए के अंदर हमारे एमएलए को इन्होंने खरीदने की कोशिश की। कम से कम 12 एमएलए ने आकर मेरे को बताया कि 20-20 करोड़ रुपए कह रहे हैं। 20-20 करोड़ रुपए ले लो और आम आदमी छोड़ दो, बीजेपी में आ जाओ और इनका टारगेट था 40 एमएलएज लेने का। 800 करोड़ रुपए इन्होंने

रख रखे थे दिल्ली की सरकार गिराने के लिए, ये ऑपरेशन लोटस है। लेकिन ये दिल्ली के सारे एमएलए ईमानदार है, इनको पैसे का लालच नहीं है, इसलिए कोई नहीं बिका। दिल्ली में इनका ऑपरेशन लोटस इनका फेल हो गया। लेकिन इन्होंने महाराष्ट्र की सरकार गिरा दी, इन्होंने मधय प्रदेश की सरकार गिरा दी, इन्होंने कर्नाटक की सरकार गिरा दी, इन्होंने मेघालय की सरकार गिरा दी, इन्होंने गोवा की सरकार गिरा दी, मणिपुर की, अरूणाचल प्रदेश की, बिहार की, असम की सरकार गिरा दी और वो कुछ दिन में झारखंड की सरकार गिराने वाले हैं। कैसे गिराई ये सरकारें। हमने सुना है कि कई जगहों पर तो इन्होंने 50-50 करोड़ रुपए दिए हैं एक एक एमएलए को और दिल्ली में ये 20-20 करोड़ दे रहे थे। 20 करोड़ ही मान लेते हैं चलो एक एमएलए को इन्होंने 20-20 करोड़ में खरीदा तो 277 एमएलए खरीदे हैं इन्होंने अभी तक पिछले पांच-सात साल में, 277 एमएलए दूसरी पार्टियों के। 277 एमएलए 20-20 करोड़ रुपए के हिसाब से पांच हजार पांच सौ चालीस करोड़ रुपए हो गये और 800 करोड़ रुपए दिल्ली के तो 6300 करोड़ रुपए। 6300 करोड़ रुपए इन्होंने ऑपरेशन लोटस पर सरकारें गिराने में, एमएलए खरीदने में खर्च किए हैं, इसलिए आपका पेट्रोल और डीजल महंगा हो रहा है। अगली बार जब आपका पेट्रोल महंगा हो तो समझ जाना किसी देश के अंदर किसी राज्य की सरकार गिरने वाली है। अगर कहीं किसी राज्य की सरकार गिरे तो समझ लेना कि पेट्रोल और डीजल का जो आपका दाम देकर आते हो, भरवाने जाते हो लाईनों में खड़े होकर पैसे, वो सारा पैसा वो एमएलए खरीदने में गया। जहां भी सरकार, अब झारखंड की सरकार गिरेगी देख लेना आने वाले अगले 15-20 दिन के अंदर पेट्रोल और डीजल के दाम न बढ़ जाए तो और वो दाम बढ़ेंगे किसलिए, झारखंड के एमएलए

खरीदने के लिए, दिल्ली के एमएलए खरीदने के लिए, ये सीधा-सीधा लिंक है जो आज लोगों को समझ में आने लगा है। आजादी के 75 साल में मुझे लगता है कि सबसे ज्यादा भ्रष्ट अगर कोई सरकार है तो मौजूदा सरकार है केन्द्र के अंदर, इससे ज्यादा भ्रष्ट सरकार आज तक कभी नहीं आयीं। जिस तरह से ये लोग 10 लाख करोड़ रुपए इनके दोस्त खा गये, 6300 करोड़ रुपए से इन्होंने एमएलए खरीदे और लाल किले पर खड़े होकर कह रहे थे। कहते हैं कि मैं भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहा हूं अरे बेवकूफ बना रहे हो इस देश के लोगों को, मैं भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहा हूं अरे कौन मानेगा भ्रष्टाचार के खिलाफ है। पूरे सरेआम बाजार के ऊपर बाजार में तुम एमएलए खरीदते फिर रहे हो और कह रहे हो मैं भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहा हूं। गरीबों की जेब से हाय लगेगी तुमको, एक गरीब के बच्चे का दूध काटकर तुम अपने एमएलए खरीदते हो, एक गरीब के बच्चे के रोटी काटकर उसकी गेहूं के ऊपर, उसके आटे के ऊपर टैक्स लगा दिया, उससे तुम अपने अरबपति दोस्तों के खजाने भरते हो, हाय लगेगी तुम्हें गरीबों की। अगर आज ये एमएलए खरीदना बंद कर दें, आज ये अरबपति दोस्तों के कर्जमाफ करना बंद कर दें, मैं दावे के साथ कहता हूं देश से मंहगाई खत्म हो जाएगी, देश से तुरंत मंहगाई खत्म हो जाएगी। अभी हम देख रहे थे, इन्होंने नौटंकी की 15-20 दिन में, शराब में पैसा खा लिया, शराब में पैसा खा लिया, शराब में पैसा खा लिया। हम दस बार पूछ लिया भई, रेड मारी थी, रेड में क्या निकला। ढेला नहीं निकला रेड में, कुछ नहीं निकला इनका। अब आज से ऊपर से आर्डर आया भाई अब शराब पर बात नहीं करनी। अब कह रहे हैं नये क्लास रूम क्यों बनाये, ट्वाइलेट क्यों बनाये, मैं देख रहा था। कहते हैं जी इन्होंने टॉयलेट ज्यादा बना दिया।

हां जी बना दिये। हमारी बच्चियों जो हैं, उनको अगर टॉयलेट जाना हो, अगर हमने ज्यादा टॉयलेट बना दी, क्या गलत करा। तुम लोगों ने अपने स्कूल पूरे जिन जहां जहां इनकी सरकारें हैं इन्होंने बेड़ा गर्क कर रखा है सरकारी स्कूलों का। हमने अच्छे स्कूल बना दिये, अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देना चाहते हैं क्या गलत करा। कह रहे हैं स्कूल ज्यादा बना दिये। अब शराब बंद, अब शराब खत्म, शराब का ये जो केस था वो खत्म, सीबीआई की जांच खत्म, गिरफ्तार तो अभी भी करेंगे ये क्योंकि इज्जत की बात है। दिखाना तो पड़ेगा, गिरफ्तार तो करेंगे, लेकिन केस में कुछ नहीं बचा, केस में कुछ नहीं निकला। जीरो, सब जीरो निकला, कुछ नहीं निकला। अब ये इनका नया शगूफा शुरू हो गया। आज ये जो विश्वास मत हम लेकर आए हैं, मेरे को कुछ लोग पूछ रहे थे विश्वास मत की क्या जरूरत है जी जरूरत है, ये दिखाने के लिए कि आम आदमी पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता, एक-एक एमएलए, एक-एक मंत्री कट्टर ईमानदार है। ये दिखाने के लिए मधय प्रदेश में आपरेशन लोटस सक्सेसफुल successful हो गया। गोवा में आपरेशन लोटस successful हो गया। कर्नाटक में आपरेशन लोटस successful हो गया। महाराष्ट्र में हो गया लेकिन दिल्ली में आकर टॉय-टॉय फिस्स हो गया। इन्होंने पूरी कोशिश करी बीस-बीस करोड़ रूपये के अन्दर हमारे एमएलए खरीदने की। कॉंफिडेन्स मोशन से हम ये साबित करेंगे दिल्ली की जनता को कि एक भी, एक भी एमएलए नहीं बिका। कोई नहीं बिका। एक भी नहीं बिका। एक भी खरीदकर दिखा दो। मान जायेंगे। आज मैं चैलेन्ज करता हूं इस सदन के एक भी खरीदकर दिखा दो तो मैं मान जाउँगा। तो इसलिए ये कॉंफिडेन्स मोशन लेकर आये हैं। अध्यक्ष महोदया, मैं आपकी

अनुमति से निम्नलिखित प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं कि ''यह सदन मंत्री परिषद में विश्वास व्यक्त करता है।''

माननीया अध्यक्ष: माननीय मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्ताव प्रस्तुत करने के बाद अब सदस्य चर्चा में भाग ले सकते हैं। श्री राजेश गुप्ता जी।

श्री राजेश गुप्ता: धन्यवाद अध्यक्षा महोदया, आपने इतने महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया। वैसे तो सदन इसलिए लगाया जाता है कि उस पर बहस हो पाये पर जब इन्होंने दुनिया के सबसे अच्छे शिक्षा मंत्री के ऊपर कुछ सवाल उठाये तो हम चाहते थे कि ये सदन में आ करके कुछ बात करें। कुछ बहस करें लेकिन आपने देखा कि 26 तारीख को भी ये ऐसे ही भागे। आज भी आते ही भाग गये क्योंकि ये चाहते ही नहीं कि बहस हो। बात हो। कम्यूनिकेशन तो ये चाहते ही नहीं है बस बात को थोपना चाहते हैं। ये भारतीय जनता पार्टी जो दुनिया की सबसे झूठी पार्टी है। अगर आप गूगल भी करोगे तो आप देखोगे कि सबसे झूठी पार्टी अगर दुनिया की कोई है तो ये भारतीय जनता पार्टी है। इनका बिल्कुल आप देखिये गूगल में जितना देखिये और ये तो तब है जब इनकी वेबसाइट आधी इन्होंने खरीदी हुई है। उसके बावजूद ये आता है कि दुनिया की सबसे झूठी पार्टी है। सुबह-सुबह निक्कर पहनकर पहला काम पार्कों में जाओ नहीं पैंट पहनने में इनको शर्म आती है। वो आदत पड़ी हुई है। अभी मुझे सुबह बताया। मैं अपनी बहन आतिशी जी के साथ में कहीं कमरे में बैठा था तो किसी ने मुझे बताया कि जो आदतें पड़ जाती हैं वो पड़ जाती हैं। तो जो आदत है वो इनकी निक्कर की है। तो सुबह निक्कर पहनते हैं और प्लानिंग करते हैं कि आज जाकरके क्या झूठ बोलना है। इतिहास को कैसे मरोड़ना

है। रोज बहस ये करते हैं कि पृथ्वीराज चौहान जहाँ जैसे चुनाव होते हैं अगर दिखता है कि ठाकुरों के इलाके में चुनाव है तो बोलेंगे पृथ्वीराज चौहान तो गुर्जर थे। मतलब सुबह–सुबह बहस देखो किस बात पर हो रही है। अरे हमारे सारे महान लोग थे। चाहे पृथ्वीराज चौहान थे, चाहे महाराणा प्रताप थे, चाहे गांधी जी थे, चाहे अम्बेडकर जी थे। ये उनमें भी कुछ न कुछ नुक्स पैदा करने लगते हैं। नहीं–नहीं अम्बेडकर जी ज्यादा महान थे। अपने टाईम के हिसाब से। नहीं–नहीं गांधी जी ज्यादा थे लेकिन मेन तो इनके लिए महान सिर्फ नत्थू राम गोड्से थे और तो कोई था नहीं। सुबह–सुबह झूठ। यही ह्वाटसअप पर डलवाते हैं। अब देखिये यही सुबह ह्वाटसअप पर डलवाते हैं कि गाँधी को क्यों मारा नत्थू राम गोडसे जी ने। ये डलवाते है खुब ह्वाटसअप पर। आप सबके ह्वाटसअप पर आप देखते होंगे ये आता है रोज। अब फिर गांधी जी का चरखा भी चलाते हैं मोदी जी। तो हाईली कन्फ्यूज्ड लोग है किसके साथ है इनको पता ही नहीं है। सुबह–सुबह जाकरके इनकी बातों को सुनो कि भई हिन्दी बेल्ट पर तो हमारा कब्जा है। यहाँ तो हम जीत ही जाते हैं। अब इण्डिया के North को देखें। जम्मू–कश्मीर में इन्हें कोई पूछता नहीं। पंजाब में इन्हें कोई पूछता नहीं। हरियाणा में अगर ये एक चौटाला साहब को नहीं लेते तो इनकी सरकार नहीं बन रही थी। दिल्ली में सात पुश्तों में इनका कुछ नहीं होना। हाँ सात पुश्तों की तो गारन्टी है। 6 नहीं हुई है। अभी तो पहली ही चल रही है। सात पुश्तों में इन्हें कोई पूछने वाला नहीं। राजस्थान के अन्दर खूब कोशिश कर ली। मधय प्रदेश में तोड़कर बनायी है। बिहार में अपनी दवाई का स्वाद चख लिया। झारखण्ड में है नहीं। उड़ीसा में भी कोई दूर–दूर तक लेना–देना नहीं। छत्तीसगढ़ में सरकार नहीं और गुजरात में अबकी बार निबटने वाले हैं।

ये हिन्दी बेल्ट है। जिसमें ये कहते हैं कि इनकी बहुत ज्यादा पकड़ है। अब केन्द्र की सरकार में कहते हैं हमारी सीट आ जाती है तो भई वहाँ विकल्प नहीं था। लोगों को लगता था कि एक तरफ झूठी पाटी है दूसरी तरफ इनके जैसे ही करप्ट पार्टी है। तो वो ये देख लेते थे कि चलो भाई इनको मौका देकरके देख लेते हैं उनको बहुत साल मौका दे दिया। अब इनको दे देते हैं। सुबह का पहला काम आप सब अपने पार्को में जाकर देखेंगे तो आप चेक कर सकते हैं कि पहले ये धवज प्रणाम, फलाँना प्रणाम, ढिमकाना प्रणाम और कल मैंने देखा क्रिकेट का मैच। आपने देखा होगा कईयों ने तो किसी ने जय शाह जी को झंडा दिया, कह रहा नहीं नहीं नहीं, ये नहीं चाहिये। पाकिस्तान का देना था उनको या दुबई में बैठे थे दुबई का देना चाहिये था। झंडा लेने से साफ मना कर दिया। नहीं आरएसएस से उनका कोई लेना देना नहीं है। उनके पिता जी का भी नहीं है। वो तो मोदी जी का है। जय शाह ईरान से आये हुए कुछ लोग थे उनको शाह कहते थे भई शाह हिंदी का तो शब्द है नहीं। तो ये लोग जो बाहर से आये हैं ईरान से, पारस से, शाहजहां के रिश्तेदार। तो वो जय शाह जी जिनका क्रिकेट से दूर दूर तक कोई लेनादेना नहीं है, मुझे लगता है कि हमारा ही कोई साथी बॉल फेंक दे तो तीनों किल्लियां बिखर जायेंगी। और वहां पर खड़े हुए हैं पता नहीं क्या उनके पास में ऐसी उपलब्धि है जो परिवारवाद की बात करती है पार्टी, वो एक बात का जवाब नहीं दे पायेगी कि वो आदमी वहां पर बैठ के वहां पे क्या कर रहा था दुबई के अंदर। और ये हमारे बच्चों को क्या सिखाते हैं कि राष्ट्र की बात करो, झंडा लो, गाय की बात करो, यही सिखाते हैं न। और अपने बच्चों को कहां भेज रहे हैं कि वहां बैठ के फर्स्ट क्लास दुबई के अंदर बैठ के क्रिकेट का

मैच देखा, लुत्फ उठाओ, मजे लो। हमारे बच्चे मरने कटने के लिये, दंगों में डालने की प्रेरणा देते हैं कैसे दंगों के अंदर जायें और अपने बच्चों को बाहर पढ़ाते हैं, अच्छी जिंदगी देते हैं। ये इतने करप्ट लोग...

माननीया अध्यक्षः राजेश जी, विषय पर रहिये।

श्री राजेश गुप्ताः मुझे ऐसा लगता है कि जो खुद ही फुटबाल हो वो क्या खेलेगा। तो कुछ नहीं खेला कभी भी बस। अब आप देखिये कि जैसे आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने कहा हमारी सरकार ने बजट के अंदर एक बार जूते के ऊपर ये करा कि थोड़ा टैक्स 500 से ऊपर के जूते पर टैक्स था, 500 से नीचे के जूते पे टैक्स नहीं था। ऐसे ही कपड़े में था। आदरणीय उप मुख्यमंत्री जी सदन में बैठे हैं, इन्होंने ये करा कि इसको बराबर कर दिया जाये और 500 से नीचे के जूते के ऊपर भी 5 परसेंट टैक्स करा जो 12 परसेंट था 500 से ऊपर वाला, उसे घटा कर कर दिया ताकि ये फ्लैट हो जाये और ये चल जाये। क्योंकि मैं जूते के व्यवसाय से आता हूं मैंने उसी वक्त उनसे बात करी तो उन्होंने भी पूछा 500 से नीचे के जूते तो कम ही आते हैं। लेकिन दिल्ली के हालात ये हैं कि छोटे छोटे लघु उद्योग हैं, वो छोटे छोटे लघु उद्योग में ये हालात हैं कि लोग 20 रूपये की चप्पल बनाके 18 रूपये की बेच रहे हैं। ये बीजेपी के राज में जो व्यापारियों की पार्टी बताते हैं अपने आप को, 20 रूपये की चप्पल बनाते हैं और अपने बच्चे के दूध के लिये, दही के लिये, अपने बच्चे के जीवनयापन के लिये कि कैसे उसको देख लें जो प्राईवेट स्कूल में भेजते हैं, वो 20 की चप्पल 18 में बेचनी पड़ती है उस कैश केलिये। सुबह सुबह मतलब शाम को यहां पर इन्होंने बजट पेश करा, सुबह तक बहुत सारे

लोगों ने आदरणीय मुख्यमंत्री जी से बात करी, ज्ञापन दिये, और अर्ली मॉर्निंग साढे 9 बजे ब्रेकफास्ट से पहले, ब्रेकफास्ट भी नहीं किया था मुझे आज भी याद है, इन्होंने पूरे का पूरा ही जीरो कर दिया 500 से ऊपर वाला भी जीरो कर दिया, 500 से नीचे वाला भी जीरो। कौन सी सरकार है जो व्यापारियों के साथ खड़ी है। वो सरकार जिन सुनारों ने ज्वेलर्स ने उनका साथ दिया, उनके ऊपर टैक्स लगा लिया, मिलने के लिये एक मिनट मांगते रहे, एक मिनट दे दो मिलने के लिये, दिवंगत जेटली साहब थे भगवान उनकी आत्मा को शांति दे, बहुत अच्छे थे, एक मिनट का टाईम नहीं दिया मिलने के लिये उन सुनारों को। और यहां पर जो चले गये हमारे यहां संस्कार, उन्हें हम अच्छा कह देते हैं। लेकिन देखिये कि हमारी सरकार जो व्यापारियों के साथ पिछले 8 सालों से कोई टैक्स बढ़ा नहीं रही, कोई रेड नहीं डालती, इन दीवाली के ऊपर ये हालात होते थे व्यापारियों के कि अधिकारियों को कहा जाता कि जाओ इतना बजट लेके आओ, इतना पैसा लेके आओ, आज कोई छापा नहीं पड़ता, एक छापा नहीं पड़ता आज। तो कौन सी सरकार है जो व्यापारियों के साथ खड़ी है वो जो टैक्स नहीं बढ़ाती, वो जो छापे नहीं मारती या दूसरी वो सरकार जो नोटबंदी के नाम पे, जीएसटी के नाम पे, पैट्रोल के नाम पे, डीजल के नाम पे करप्शन कर रही है, पैसे निकाल रही है हमारी माताओं बहनों के हाथ से भी पैसे निकाल रही लिये जो सौ सौ रूपये करके उन्होंने इकट्ठे करे थे कि कभी किसी खराब वक्त में काम आयेंगे। मैं आज जो मुख्यमंत्री जी ने बात रखी है उस बात का पूरा समर्थन करता हूं, जो बात उन्होंने कही कि जितनी महंगाई बढ़ रही है वो मोदी जी खुद अपने दोस्तवाद के अंदर आकर, अपने दोस्तों का साथ देकर उस महंगाई को बढ़ा रहे हैं और आम आदमी के जीने

को जिंदगी हराम कर रहे हैं जबकि आम आदमी पार्टी फ्री शिक्षा के नाम पे, चिकित्सा के नाम पे, सुरक्षा के नाम पे लोगों की कुछ न कुछ मदद कर रही है, उनको खुश रखने की कोशिश कर रही है। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीया अध्यक्षः दुर्गेश जी।

श्री दुर्गेश पाठकः बहुत बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदया। आज मैं देश के सामने 1400 करोड़ रूपये के एक बहुत बड़े घोटाले का खुलासा करने जा रहा हूं। ये घोटाला हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम पे हुआ, ये घोटाला उनके प्रतीक चिन्ह् खादी के नाम पर हुआ और बड़े दुख और शर्म के साथ ये कह रहा हूं कि ये घोटाला किसी और ने नहीं, बल्कि दिल्ली के उप-राज्यपाल महोदय विनय कुमार सक्सेना जी ने किया हैजब वो खादी के चेयरमैन थे।

माननीया अध्यक्षः आप विषय पर बोले दुर्गेश जी।

श्री दुर्गेश पाठकः तीन दिन पहले, तीन दिन पहले मेरे पास एक फाइल आई है, ये फाइल पढ़ने के बाद मैं दंग हो गया कि किस तरह से नोटबंदी के दौरान जब सैकड़ों लोगों की जान चली गई, हजारों लोग बेघर हो गये, लाखों लोगों की नौकरी चली गई, लाखों लोगों के बिजनेस तबाह हो गये। लोग भूखे थे, अन्न के लिए तरस रहे थे, उस समय हमारे एल.जी. साहब 1400 करोड़ के भ्रष्टाचार में लिप्त थे। जब लोग, जब लोग अपने पड़ोसी के घरों में जा-जाकर कह रहे थे जी कि खाना नहीं है, जब पूरा देश निकल गया था, राशन की बोरियां बांट रहा था एक-एक घर में जाकर, उस समय विनय कुमार सक्सेना जी 1400 करोड़ रूपये का घोटाला कर रहे थे इस देश के

अंदर। ये घोटाला बहुत शानदार तरीके से चल रहा था, पता भी नहीं चलता किसी को कि ऐसा कोई घोटाला भी चल रहा है। लेकिन मैं इस सदन के माध्यम से उन 2 कैशियर, संजीव कुमार जी और प्रदीप यादव का बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं, सलाम करता हूं, जिन्होंने अपने जान पर खेलकर, जिन्होंने अपनी जान की बाजी लगा दी कि ये घोटाला किसी भी तरह से देश के सामने आना चाहिए। जांच हुई, आज मैं उनका स्टेटमेंट, जो जांच के दौरान उन्होंने स्टेटमेंट दिया, मैं आपके सामने वो स्टेटमेंट पढ़ना चाहता हूं। संजीव कुमार जी, जो कि खादी ग्रामोद्योग, खादी ग्रामोद्योग के जो बिक्री केंद्र है उसके हेड कैशियर थे, उनका स्टेटमेंट मैं पढ़ने जा रहा हूं। ये मामला जब 8 नवम्बर को प्रधानमंत्री-मोदी जी ने देश के अंदर जो पुराने नोट थे, 500 और 1000 नोट के जब बंद कर दिये, उसके बाद 8 तारीख के बाद, जो पुराने, करप्ट, जो एक तरीके से ब्लैक मनी थी, जो उसको वाइट करने का जो सिलसिला खादी ग्रामोद्योग के अंदर चला, उसके बारे में है ये पूरी तरह से। हेड कैशियर-संजीव कुमार जी, अपने स्टेटमेंट में कहते है कि मैंने 500 और 1000 रूपये का पुराना नोट भवन प्रबंध क के कहने पर स्वीकार किया, अगर बैंक नोट ले रहा है तो जमा कराये, ये चेयरमैन जी का आदेश है। चेयरमैन कौन थे, विनय कुमार सक्सेना साहब। चेयरमैंन कौन थे? आगे फिर कहते है, मैंने प्रबंधक महोदय को मना किया, प्रबंधक महोदय ने मुझसे कहा कि ऊपर से चेयरमैन साहब का दबाव है, अगर नहीं किया तो चेयरमैन साहब नाराज हो जाएंगे। अतः इस बात पर मैं काफी डर गया क्योंकि नोटबंदी से 5 दिन पहले ही चेयरमैन साहब ने भवन के 2 स्टाफ का ट्रांस्फर गोवा और जयपुर कर दिया। अतः मैंने मजबूरी में ये काम किया, जिसकी जानकारी भवन के अधिकतर स्टाफ को पहले से थी। इस कार्य

के लिए प्रतिदिन प्रबंधक बिक्री कक्ष में, अजय गुप्ता जी मुझे भवन प्रबंधक कक्ष में बुलाते, पुराने 500 और 1000 के नोट बदलने के लिए देते और कहते कि आप प्रतिदिन अजय गुप्ता जी को नोट बदलकर दे दिया करो। जो भी मैंने अनुचित कार्य किया, वो प्रबंधक श्री ए.के. गर्ग के दबाव में किया और इसकी पूरी जिम्मेदारी ए.के. गर्ग जी की है। मैं यह शपथ-पूर्वक कहता हूं कि इसमें मेरा कोई दोष नहीं है। मैं बड़े दुखी मन से बैंक में कैश जमा कराता था और मेरे करीब 7 दिन के अवकाश के बाद, दूसरे जो प्रदीप यादव-एल.डी. सी. वो मेरी अनुपस्थिति में हेड कैशियर के रूप में काम करते थे, सही बात तो ये है कि मैं अपने ट्रांस्फर से बहुत डर गया था। यह कार्य इसलिए किया क्योंकि कुछ दिन पहले भवन के स्टाफ की मृत्यु दिल्ली से बाहर जाने पर हो गई थी। मेरा इसमें कोई दोष नहीं है, पूरा दोष भवन प्रबंधक और अजय गुप्ता जी का है। भवन प्रबंधक जो हैं, ए.के. गर्ग साहब हैं। गुप्ता जी जो हैं, फ्लोर मैनेजर हैं। ये इनका स्टेटमेंट है। जब इन्होंने देखा कि इस तरह का भ्रष्टाचार चल रहा है, इन्होंने छुट्टी ले ली। छुट्टी लेने के बाद इनके जूनियर प्रदीप कुमार यादव जी थे, उनको बनाया गया हैड कैशियर।

उन्होंने क्या कहा आप सुनिए? नोटबंदी आठ तारीख को हो गई 09.11.2016 के बाद हमने ग्राहक से कोई पुराने नोट नहीं लिए। जो भी नोट जमा हुए, काउंटर कैशियर द्वारा जमा किए गए। नए नोट हैड कैशियर के पास जाते थे इसके बाद वह नोट श्री ए.के. गर्ग साहब के आदेशानुसार ए.के. गर्ग कौन है? प्रबंधक साहब। एक मिनट। ए.के. गर्ग साहब के आदेशानुसार अजय कुमार गुप्ता जो फ्लोर मैनेजर थे, उनके हैड केबिन में मुझे बुलाया जाता था, वहां नोट बदला जाता था और नोट बदल के पुराने नोट मुझे दिए जाते थे

और कहते थे बदल के इसमें ले के आ जाना। उसके बाद नोट को कैशियर बैंक में जमा कराते थे। श्रीमान प्रबंधक ए.के. गर्ग ने हैड कैश पर काम करने के एक दिन पहले शाम को अपने केबिन में बुलाकर हमें नोट बदलने के लिए कहा। हमने कहा सर इससे परेशानी न हो जाए तो उन्होंने कहा कि ये चेयरमेन साहब का है, किसका है? चेयरमेन साहब कौन हैं विनय कुमार सक्सेना जी। बोले वो उनका है, चिन्ता की कोई बात नहीं, हम हैं सब कुछ देख लेगें और साथ में उन्होंने ये भी कहा ये कार्य कैशियर को प्रैशर दे के कराया गया। गर्ग साहब ने ये भी कहा ये पहले से भी हो रहा है और बहुत सारी जगहों पर भी हो रहा है। बहुत सारी जगहों पर हो रहा है, इसमें चिंता करने की कोई बात नहीं है, अगर नहीं जैसा कह रहे हैं वैसा कर लो अगर नहीं करोगे तो फिर ये दोनों कैशियर का स्टेटमेंट है। एक ब्रांच के ये दोनों कैशियर हैं और इन्होंने बताया कि नोटबंदी के बाद हमारे ब्रांच से लगभग 22 लाख रूपये हेरफेर की गई। पुराने नोट को बदलकर नए नोट बदले गए और इस तरह से पूरे देश में लगभग सात हजार ब्रांचिज़ हैं खादीग्राम उद्योग की, अगर आप इसको कैलकुलेट करोगे तो 1400 करोड़ से ज्यादा का भ्रष्टाचार है ये। साथियों ये बेचारे ये दोनों बहुत डर गए लेकिन बड़े छोटे लोग थे, बड़े गरीब लोग थे लेकिन इन्होंने हिम्मत नहीं हारी। इन्होंने देश के हर फोरम में इसकी शिकायत की कि हमसे ये गलत काम कराया जा रहा है। जांच हुई और इस देश का दुर्भाग्य, इन लोगों का दुर्भाग्य, हम लोगों का दुर्भाग्य कि उस जांच की अध्यक्षता किसने की, जिनके ऊपर आरोप था? उन्होंने अध्यक्षता की और साथ ही साथ इन दोनों कैशियर को सस्पेंड कर दिया और जो दोनों ऑफिसर गर्ग और गुप्ता जो इनके इशारे पर काम करते थे उनका प्रमोशन कर दिया एक को तो राजस्थान,

पूरा का पूरा राजस्थान दे दिया उनको। ये 1400 करोड़ रूपये का घोटाला किया गया। सारा का सारा मामला लीपापोती कर दी गई। सीबीआई में भी मामला दर्ज किया गया और सबसे बड़ी बात ये है कि सीबीआई में इनका नाम तक नहीं लिखा गया। सीबीआई ने न कोई रेड की, न कोई पूछताछ की इनसे, सब कुछ ऐसे ही छोड़ दिया। इतना बड़ा घोटाला हुआ लेकिन कोई एक्शन नहीं हुआ। जिन लोगों ने इस घोटाले को एक्सपोज किया उन बेचारों को ही सस्पेंड कर दिया गया। साथियों हमने महाभारत की भी कहानियां सुनी हैं, हमने रामायण की भी कहानी सुनी है। इस कहानी में क्या है। कहानी में एक ही चीज है। सच्चाई कभी नहीं हारती लेकिन ऐसा लगता है इस मामले में सच्चाई हार रही है, वो दोनों कैशियर आज दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं, वो दोनो कैशियर भाग रहे हैं कि कहीं उनकी हत्या न हो जाए। वो दोनों कैशियर एक रात कहीं भी नहीं रहते, कहीं इधर भागते हैं कहीं उधर भागते हैं, कहीं इधर भागते हैं कहीं उधर भागते हैं। ये हाल कर दिया उन्होंने। मैं इस सदन के माध्यम से ये मांग करता हूं कि सीबीआई के एप्लीकेशन में, सीबीआई की एफआईआर में विनय कुमार सक्सेना जी का नाम डाला जाए। सहमत हैं कि नहीं सहमत हैं आप लोग। इनके खिलाफ रेड होनी चाहिए, इनके खिलाफ ईडी का रेड होना चाहिए, पूरा का पूरा मनी लांड्रिंग है, ये पूरा का पूरा भ्रष्टाचार है। एलजी साहब के खिलाफ जांच होनी चाहिए। इनके खिलाफ रेड होनी चाहिए और साथ ही साथ जब तक ये जांच चले इनको कोई अधिकार नहीं बनता एलजी के पद पर रहें ये, इनको एलजी से के पद से हटाया जाए। साथियों, ये खबर भी छपी लेकिन कोई एक्शन नहीं हुआ, कोई एक्शन नहीं हुआ, इनके खिलाफ एक्शन होना चाहिए, इनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः ये ठीक नहीं है।

श्री दुर्गेश पाठकः एलजी साहब को हटाना चाहिए, एलजी साहब भ्रष्ट हैं।

माननीया अध्यक्षः ये ठीक नहीं है।

श्री दुर्गेश पाठकः एलजी साहब को हटाना चाहिये, एलजी साहब भ्रष्ट है। एलजी साहब ने 1400 करोड़ रुपये का घोटाला किया, इसकी जांच होनी चाहिये, इसकी जांच होनी चाहिये।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः ये ठीक नहीं है, ये ठीक नहीं है। एलजी के लिये ऐसा नहीं।

श्री दुर्गेश पाठकः एलजी साहब के खिलाफ जांच होनी चाहिये।

...व्यवधान...

(सत्तापक्ष के सदस्य एलजी साहब के खिलाफ जांच की मांग करते हुए, नारे लगाते हुए वेल में आ गए)

माननीया अध्यक्षः साढ़े बारह बजे तक सदन स्थगित करते हैं, साढ़े बारह बजे तक स्थगित।

(सदन की कार्यवाही अपराह्न 12.30 बजे तक के लिए स्थगित की गई।)

सदन अपराह्न 12.35 बजे पुनः समवेत हुआ ।

माननीया अध्यक्ष (श्रीमती राखी बिरला) पीठासीन हुईं ।

माननीया अध्यक्ष: विशेष रवि जी। अभी जब आधे घंटे के लिये सदन को स्थगित किया गया था, तो विशेष रवि जी और मादीपुर से विधायक गिरीश सोनी जी मुझसे व्यक्तिगत तौर पर मिलने आए थे, कुछ कहना चाहते हैं जी।

श्री विशेष रवि: जी बहुत-बहुत शुक्रिया मैडम आपने टाइम दिया बोलने के लिये। मैडम आज एक खास दिन है, आज।

(सत्तापक्ष के अनेक सदस्य उपराज्यपाल के इस्तीफे की मांग करते हुए नारे लगाने लगे और उसके उपरांत वेल में आकर नीचे बैठ गए)

माननीया अध्यक्ष: आप लोग अपनी सीट पर तो बैठिये। मेरा साथी सदस्यों से निवेदन है, समस्त सदस्यों से निवेदन है अपनी-अपनी सीट पर जाएं। अपनी-अपनी सीट पर जाएं। सभी सदस्य अपनी-अपनी सीट पर जाएं।

(सत्तापक्ष के सदस्य वेल में आ गए और उपराज्यपाल के इस्तीफे की मांग करते हुए नारे लगाने लगे)

माननीया अध्यक्ष: सभी सदस्य अपनी-अपनी सीट पर जाएं। एक बजे तक सदन की कार्यवाही को पुन: स्थगित किया जाता है।

(सदन की कार्यवाही अपराह्न 1.00 बजे तक के लिए स्थगित की गई।)

सदन अपराह्न 1.30 बजे पुन: समवेत हुआ।

माननीया अध्यक्ष (श्रीमती राखी बिरला) पीठासीन हुईं ।

माननीया अध्यक्षः बैठिये। विशेष रवि जी। दो मिनट, विशेष रवि जी सुबह से कुछ कहना चाह रहे हैं एक बार उनकी बात सुन ली जाए।

श्री विशेष रविः बहुत-बहुत धन्यवाद मैडम। मैडम आज बहुत खास दिन है। आज बाबा रामदेव जी हैं, आज उनकी जयंती है, आज उनका जन्मोत्सव है, बाबा रामदेव जी राजस्थान के लोक देवता हैं और उनकी बहुत मान्यता है, पूरे राजस्थान में 90 प्रतिशत लोग उनकी पूजा करते हैं। राजस्थान, गुजरात, दिल्ली, उत्तर भारत के ज्यादातर राज्यों के अंदर उनकी पूजा की जाती है और आज उनकी जयंती है। बाबा रामदेव जी का चौदहवीं शताब्दी के अंदर, रामदेवा क्षेत्र है ये जैसलमेर के अंदर, राजस्थान के अंदर। वहां उनका जन्म हुआ और उनका पूरा जीवन लोक कल्याण और सामाजिक समरसता के अंदर उन्होंने अपना जीवन दिया। उनकी खासियत ये है मैडम की वो गैर दलित समाज से थे, लेकिन उसके बावजूद दलित समाज का बहुत बड़ा समूह, बहुत बड़ी संख्या के अंदर लोग जो है उनको मानते हैं। हमारे यहां पर राजस्थान से रैगर समाज के लोग हैं जो दलित समाज से आते हैं। वो बहुत श्रद्धा से उनकी पूजा करते हैं। दिल्ली के अंदर करोलबाग के अंदर, मादीपुर के अंदर और पटेल नगर के अंदर और आसपास के क्षेत्र के अंदर लोग जो है बहुत बड़ी और भव्य शोभायात्रा उनकी निकलती है। आज हमारा पूरा इलाका जो है वो उत्सव का माहौल होता है, हमारे यहां पर। जगह-जगह लोग जो हैं, झांकियाँ निकालते हैं, मंच लगाते हैं और पूरा रात जो है, दो दिन का पूरा ये कार्यक्रम होता है। आज के बाद फिर उसके बाद रिंगस में राजस्थान के अंदर लगता है मेला। वहां बहुत बड़ी संख्या में लोग जाते हैं। तो बस मैं आज इस शुभ मौके पर आपके माध्यम से पूरे सदन को बाबा रामदेव जी की जयंती की शुभकामना देता हूं, बधाई

देता हूं और ये प्रार्थना करता हूं कि वो अपना आशीर्वाद हम पर और पूरे देश पर बनाकर रखेंगे, शुक्रिया।

माननीया अध्यक्षः धन्यवाद जी। बाबा रामदेव जी की जन्म जयंती पर सर्व समाज को और समस्त लोगों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं। जी, जी। ये प्ले कार्डस आप, तरीका ठीक नहीं है, ये तरीका ठीक नहीं है।

...व्यवधान...

श्री दुर्गेश पाठकः एक मिनट, एक मिनट, मैं।

माननीया अध्यक्षः ये तरीका ठीक नहीं है, ये तरीका बिल्कुल ठीक नहीं है। जी।

श्री दुर्गेश पाठकः जो आपने कहा, विशेष भाई ने कहा की बाबा रामदेव जी हम सबके बहुत ही एक तरीके से उन सबसे हम शिक्षा लेते हैं और आज उनकी जयंती है। मुझे बड़ा अच्छा लगा की आज सदन ने उनकी जयंती की शुभकामनाएं दी और उनके जो चाहने वाले हैं जो उनके followers हैं, हम सबसे ये विनती करेंगे की सब लोग अच्छे से रहें और बेहतर रहे और बाबा रामदेव के जीवन की जो एक, उनसे जो शिक्षा हम लोग लें और लगातार मनुष्य और मानवता के कल्याण के लिये हम लोग काम करें, ऐसी मैं प्रार्थना करता करूंगा। उनको जयंती की भी ढ़ेर सारी शुभकामनाएं और सभी उनके चाहने वाले जो उनका एक संदेश था वो घर-घर तक पहुंचे, ऐसी मेरी कामना है, बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीया अध्यक्षः धन्यवाद।

(सत्तापक्ष के अनेक सदस्य पुनः अपने स्थान से उठकर उपराज्यपाल के इस्तीफे की मांग करते हुए अपनी-अपनी सीट से उठकर वेल में आ गए और नारे लगाने लगे)

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः ये तरीका ठीक नहीं है।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः ये तरीका बिल्कुल भी ठीक नहीं है। ये तरीका बिल्कुल भी ठीक नहीं है।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः सब लोग अपनी सीट पर जायें, सभी साथी विधायक अपनी सीट पर जायें।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः सभी साथी विधायक अपनी-अपनी सीट पर जायें, सीट पर चलें। सीट पर चलें।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप सब लोग अपनी-अपनी जगह पर चलें, अपनी-अपनी जगह पर चलें। जितने भी सदस्य वेल में हैं, अपने-अपने स्थान पर चलें। जो भी सदस्य अभी वेल में खड़े हैं अपनी जगह पर चलें। अपनी सीटों पर जाएं।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः अपनी सीटों पर जाएं, जितने सदस्य हैं, जनरैल जी, सीट पर चलें, अखिलेश पति त्रिपाठी, राजेश ऋषि जी अपनी सीट पर चलें। सीट पर चलें। वेल से सारे साथी अपनी-अपनी सीट पर चलें, अपनी सीट पर चलें सब लोग। सदन की कार्यवाही मंगलवार दिनांक। सीट पर चलिये सोमनाथ भारती जी, ऐसे सदन तो नहीं चल पाएगा।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः ऐसे सदन नहीं चल पाएगा।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः क्या ये तरीका ठीक है, संजीव झा जी क्या ये तरीका ठीक है, आप अपनी सीट पर जाकर भी अपनी बात बोल सकते हैं। आप लोग अपनी-अपनी सीटों पर जाकर कर भी अपनी बात बोल सकते हैं। सवा दो बजे तक सदन adjourned किया जाता है।

(सदन की कार्यवाही अपराह्न 2.15 बजे तक के लिए स्थगित की गई।)

सदन अपराह्न 02.20 बजे पुनः समवेत हुआ ।

माननीया अध्यक्ष महोदय (श्रीमती राखी बिरला) पीठासीन हुईं ।

माननीया अध्यक्षः जी सौरभ भारद्वाज जी।

(सत्तापक्ष के सदस्य पुनः उपराज्यपाल के इस्तीफे की मांग करते हुए अपनी-अपनी सीट से उठकर वेल में आकर बैठ गए, और नारे लगाने लगे)

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः सौरभ जी, जरनैल जी अपनी-अपनी सीटों पर चलो इस तरह से वेल में आना ठीक बात नहीं है। संजीव झा जी, अपनी-अपनी सीटों पर चलें आप लोग।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः जिसको जो भी बात कहनी है अपनी सीटों पर आकर कहें, अपनी-अपनी सीट पर चलें।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः मेरा सभी साथियों से सदस्यों से निवेदन है अपनी-अपनी सीट पर बैठें, अपनी-अपनी सीटों पर बैठें। ऐसे सदन नहीं चल पाएगा।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः ऐसे सदन की कार्यवाही नहीं चल पाएगी, आप लोग अपनी-अपनी स्थान पर आएं।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप सब लोग अपनी-अपनी सीटों पर आएं।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः मुझे ऐसा लगता है कि आज आप सारा दिन सदन नहीं चलने देंगे, इसलिये सदन की कार्यवाही मंगलवार, दिनांक 30 अगस्त को पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिये स्थगित की जाती है।

(सदन की कार्यवाही मंगलवार, दिनांक 30 अगस्त को पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिये स्थगित गई।)

...समाप्त...

© दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, 1991 की धारा 18 (2) के उपबंधों तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली विधान सभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 281 (2) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकाशित तथा ग्राफिक प्रिंटर्स, 2965 /41, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली-110 005 द्वारा मुद्रित।